

PRESS NOTE

ICAR–IARI Signs MoU with ICICI Foundation to Establish Climate Resilient Green Agriculture (CARIGAR) Laboratory

New Delhi, January 13, 2026: In a significant initiative aimed at strengthening climate-resilient agriculture and empowering farming communities, the ICAR–Indian Agricultural Research Institute (ICAR–IARI), New Delhi, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the ICICI Foundation for Inclusive Growth under its Corporate Social Responsibility (CSR) programme.

The MoU was signed by Dr Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR–IARI, and Mr. Yashvardhana Tripathi, Zonal Head, ICICI Foundation for Inclusive Growth, New Delhi, for establishing a Climate Resilient Green Agriculture (CARIGAR) Laboratory at ICAR–IARI.

Speaking on the occasion, Dr Ch. Srinivasa Rao emphasized that climate change has emerged as one of the most critical challenges confronting Indian agriculture, particularly affecting small and marginal farmers. He stated that the CARIGAR Laboratory will serve as a dedicated national platform for hands-on training, capacity building, and skill development, enabling farmers to adopt climate-smart technologies, resource-efficient practices, and environmentally responsible farming systems.

The Director highlighted that strengthening farmers' adaptive capacity through practical exposure, field demonstrations, and technology-led learning is essential for sustaining productivity under increasing climatic uncertainties. He further underlined that the laboratory will bridge the gap between scientific research and field-level application, ensuring that innovations developed in laboratories reach farmers in usable and scalable forms.

Dr. Rao also stressed the importance of youth engagement and experiential learning, noting that the CARIGAR Laboratory will significantly enhance practical training opportunities for students and provide advanced research exposure for scientists working on climate resilience, sustainability, and post-harvest value addition. He described the collaboration as a model example of public–private partnership contributing to national priorities of sustainable agriculture, environmental conservation, and farmers' income enhancement.

The signing ceremony was held in the presence of Dr. Viswanathan Chinnusamy, Joint Director (Research), ICAR–IARI; Dr. Soora Naresh Kumar, Head, Division of Environmental Sciences and Principal Investigator of the project Dr. Sandeep Kumar and Dr. Sunita Yadav.

The CARIGAR Laboratory will function as a hub for training programmes, awareness campaigns, demonstrations, and interactive learning modules, focusing on climate-resilient crop production, sustainable farming systems, and development of post-harvest products.

Representatives from the ICICI Foundation stated that the collaboration reflects their commitment towards inclusive growth, farmer empowerment, and strengthening climate-resilient agricultural development, by integrating scientific expertise with grassroots-level needs.

The initiative is expected to make a meaningful contribution towards promoting sustainable agriculture, climate adaptation strategies, and environmentally responsible farming practices, supporting India's long-term agricultural resilience.

जलवायु-सहिष्णु हरित कृषि (CARIGAR) प्रयोगशाला की स्थापना हेतु ICAR-IARI और ICICI फाउंडेशन के बीच समझौता

नई दिल्ली, 13 जनवरी 2026: जलवायु-सहिष्णु कृषि को सुदृढ़ करने तथा कृषक समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR-IARI), नई दिल्ली ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) कार्यक्रम के अंतर्गत ICICI फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ के साथ एक समझौता जापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

यह समझौता जापन ICAR-IARI में जलवायु-सहिष्णु हरित कृषि (Climate Resilient Green Agriculture – CARIGAR) प्रयोगशाला की स्थापना हेतु डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, ICAR-IARI तथा श्री यशवर्धन त्रिपाठी, जोनल हेड, ICICI फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ, नई दिल्ली के बीच संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज भारतीय कृषि के समक्ष सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बन चुका है, जिसका प्रभाव विशेष रूप से छोटे एवं सीमांत किसानों पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि CARIGAR प्रयोगशाला व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करेगी, जिससे किसान जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों, संसाधन-संरक्षण आधारित पद्धतियों तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि प्रणालियों को अपनाने में सक्षम होंगे।

निदेशक ने यह भी रेखांकित किया कि बढ़ती जलवायु अनिश्चितताओं के परिप्रेक्ष्य में कृषि उत्पादकता को बनाए रखने के लिए किसानों की अनुकूलन क्षमता को सुदृढ़ करना अत्यंत

आवश्यक है, जिसे व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रदर्शन तथा प्रौद्योगिकी-आधारित अधिगम के माध्यम से प्रभावी रूप से साकार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रयोगशाला वैज्ञानिक अनुसंधान और खेत-स्तरीय अनुप्रयोग के बीच की दूरी को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे प्रयोगशालाओं में विकसित नवाचार किसानों तक व्यवहारिक एवं विस्तार योग्य रूप में पहुँच सकें।

डॉ. राव ने युवाओं की भागीदारी एवं अनुभवात्मक शिक्षण के महत्व पर भी बल देते हुए कहा कि CARIGAR प्रयोगशाला छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसरों को सुदृढ़ करेगी तथा जलवायु-सहिष्णुता, सतत कृषि और कटाई उपरांत मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों को उन्नत अनुसंधान अनुभव प्रदान करेगी। उन्होंने इस सहयोग को सार्वजनिक-निजी सहभागिता (Public-Private Partnership) का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यह पहल सतत कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं किसानों की आय वृद्धि से जुड़ी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को मजबूती प्रदान करेगी।

इस अवसर पर डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), ICAR-IARI; डॉ. सूरा नरेश कुमार, अध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान प्रभाग एवं परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. संदीप कुमार तथा डॉ. सुनीता यादव भी उपस्थित रहे।

CARIGAR प्रयोगशाला प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जन-जागरूकता अभियानों, प्रायोगिक प्रदर्शनों तथा संवादात्मक अधिगम मॉड्यूल्स के माध्यम से जलवायु-सहिष्णु फसल उत्पादन, सतत कृषि प्रणालियों तथा कटाई उपरांत उत्पाद विकास पर केंद्रित गतिविधियों का केंद्र बनेगी।

ICICI फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह सहयोग समावेशी विकास, किसान सशक्तिकरण एवं जलवायु-सहिष्णु कृषि को मजबूती प्रदान करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें वैज्ञानिक विशेषज्ञता को जमीनी स्तर की आवश्यकताओं से जोड़ा जाएगा।

यह पहल सतत कृषि, जलवायु अनुकूलन रणनीतियों तथा पर्यावरण-संवेदनशील कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करते हुए भारत की दीर्घकालिक कृषि अनुकूलन क्षमता (Agricultural Resilience) सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

